भर्ती हेतु सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र
में
परामर्शदाता–जन स्वास्थ्य प्रशासन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) एक स्वायत्त निकाय है, जिसे वर्ष 2006 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम), अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत गठित किया गया है। इसे केंद्रीय स्तर पर, नीति, नियोजन एवं रणनीति विकास में सहायता करने और नीतियों एवं कार्यक्रमों के कार्यान्वयन एवं क्षमता विकास हेतु राज्यों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का दायित्व सौंपा गया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन (पीएचए) प्रभाग, राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों/योजनाओं/कार्यक्रमों के विकास हेतु कार्य करता है और क्षमता विकास, सहयोगी पर्यवेक्षण और निगरानी के माध्यम से राज्यों और जिलों को कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करता है। यह जमीनी स्तर पर किए गए कार्य अनुभवों से राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों को भी जानकारी प्रदान करता है।

पीएचए प्रभागके कुछ प्रमुख कार्यक्षेत्रों में शामिल हैं:

मॉडल स्वास्थ्य जिला पहल– यह प्रभाग, व्यक्ति द्वारा अपनी जेब से किए जाने वाले खर्च (ओओपीई) को कम करने और विभिन्न कार्यक्रमों के लिए जिले के उन्नत समग्र स्वास्थ्य सूचकों के परिणाम प्राप्त करने हेतु सुनिश्चित सेवाओं का प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए चयनित जिलों के साथ कार्य करता है। इस पहल के तहत, प्रभाग चिन्हित स्वास्थ्य सेवाओं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए चिन्हित जिला अस्पताल, एसडीएच और सीएचसी, पीएचसी और उप केंद्र की श्रृंखला के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है। ऐसे स्वास्थ्य केंद्र जो बुनियादी ढांचागत सुविधाओं, मानव संसाधन, गुणवत्ता और स्वास्थ्य प्रणालियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य कार्यक्रमों को पूर्णतः लागू करते हैं, उन्हें 'मॉडल स्वास्थ्य जिला' कहा जाता है और इसके फलस्वरूप वे अन्य जिलों और राज्यों द्वारा अपनाए जाने वाले मॉडल के रूप में कार्य करते हैं।

द्वितीयक देखभाल सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना–यह प्रभाग, बुनियादी ढांचागत जरूरतों और तकनीकी प्रोटोकॉल के अनुरूप द्वितीयक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करने और डीएनबी/सीपीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के प्रावधान द्वारा जिला अस्पतालों को 'ज्ञान केंद्र (नॉलेज हब)' के रूप में विकसित करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है। यह जिला अस्पतालों के लिए भावी योजना तैयार करने में भी राज्यों का सहयोग करता है। द्वितीयक देखभाल सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के तहत प्रमुख क्षेत्र हैं:

- जिला अस्पताल का सुदृढ़ीकरण
- फेमिली मेडिसिन
- एमसीएच का सुदृढ़ीकरण
- सीईएमओएनसी/एलएसएएस का संशोधन

जन स्वास्थ्य शासन

सार्वजनिक क्षेत्र में सुदृढ़ और जवाबदेह स्वास्थ्य प्रणाली शासन एक चुनौती बना हुआ है। जवाबदेही और स्वास्थ्य प्रणालियों के जोखिम प्रबंध (जैसे बीमारी लेखा–परीक्षा, उपचार पर्ची लेखा–परीक्षा, इन्वेंट्री और वित्तीय लेखा–परीक्षा) को सुदृढ़ करने के लिए तंत्र या तो अपर्याप्त हैं अथवा उनका अभाव है। न ही सेवा प्रदायगी (विशेष रूप से वे जो महत्वपूर्ण हैं, जैसे कि प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग) में संभावित खामियों के बारे में प्रारंभिक चेतावनी के संकेत देने के लिए कोई प्रणाली मौजूद है। यह प्रभाग स्वास्थ्य प्रणाली सूचक साधनों के माध्यम से जन स्वास्थ्य प्रशासन के सुदृढ़ीकरण पर काम कर रहा है, ताकि असामयिक मौतों और टालने योग्य घटनाओं को रोकने के लिए समय पर सुधारात्मक कार्रवाइयां की जा सकें।

- मातृ मृत्यु निगरानी समीक्षा और बाल मृत्यु समीक्षा
- नैदानिक शासन
- रेफरल परिवहन
- सिविल पंजीकरण प्रणाली
- सिटिजन चार्टर

ब्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल

इस प्रभाग ने व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के कुछ प्रमुख क्षेत्रों में प्रचालन दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने में समन्वय किया है। इन दिशानिर्देशों में मौखिक स्वास्थ्य, मानसिक, न्यूरोलॉजिकल और पदार्थ सेवन संबंधी विकार, आपातकालीन सेवाएं, एचडब्ल्यूसी के आर्किटेक्चरल डिजाइन और आरएमएनसीएच+ए संबंधी विषय शामिल हैं।

भारतीय जनस्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस)

इस प्रभाग ने हाल की कार्यक्रम पहलों के अनुरूप आईपीएचएस के संशोधन का मसौदा तैयार किया है। यह अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

राष्ट्रय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम)

यह प्रभाग एनयूएचएम के कार्यान्वयन को आरंभ करने हेतु राज्यों की क्षमता बढ़ाने के लिए सुसंगत हितधारकों के साथ कार्य करता है और विभिन्न शहरी स्वास्थ्य गतिविधियों का सहयोगी पर्यवेक्षण और निगरानी भी करता है।

जनस्वास्थ्य प्रबंध संवर्ग

यह प्रभाग राज्यों के मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के भीतर जन स्वास्थ्य संवर्ग तैयार करने में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का सहयोग कर रहा है। 13वीं सीसीएचएफडब्ल्यू के सदस्यों ने मार्च, 2020 तक अपने राज्यों में जन स्वास्थ्य प्रबंध संवर्ग का गठन करने का संकल्प लिया, ताकि सबके लिए स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

संचारी रोग

कोविड–19 संबंधी गतिविधियों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में सहयोग प्रदान करने के साथ–साथ विशिष्ट स्वास्थ्य रणनीतियो की प्रगति की समीक्षा करना।

पीएचए प्रभाग में परामर्शदाता के रूप में आने का अवसर

पीएचए प्रभाग ऐसे युवा और गतिशील जन स्वास्थ्य पेशेवरों की तलाश कर रहा है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में कार्य करने के लिए अभिप्रेरित हैं। आवेदक को एक सुदृढ़ कार्य शैली और न्यूनतम पर्यवेक्षण में कार्य करने और सीमित समय सीमा के भीतर कार्य संपन्न करने की क्षमता के साथ सदा सक्रिय और स्वयं–उत्तरदायी होना चाहिए।

आवेदक को अच्छी गुणवत्ता वाली जन स्वास्थ्य सेवाओं को सबसे अधिक वंचित और सीमांत आबादी तक उपलब्ध कराने और सुलभ कराने की दृष्टि से जन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के बारे में उत्साहित होना चाहिए; और उस संकल्पना को साकार करने की दिशा में सतत और रणनीतिक तरीके से कार्य करने का उत्साह होना चाहिए।

चयनित अभ्यर्थी को राज्यों और जिलों तथा अन्य हितधारकों के साथ एक गतिशील मंच पर कार्य करने का अनूठा अवसर प्राप्त होगा। यह कार्य विभिन्न स्तरों पर जन स्वास्थ्य चुनौतियों को समझने और समस्या समाधान के लिए रणनीतियों को विकसित करने और कार्यान्वित करने में गहन अनुभव प्रदान करेगा।

एनएचएसआरसी, अपने पीएचए प्रभाग को सहयोग प्रदान करने हेतु पूर्णतः संविदा आधार पर एक परामर्शदाता की भर्ती करने का इच्छुक है। परामर्शदाता, सलाहकार, पीएचए के समग्र मार्गदर्शन में कार्य करेगा।

योग्यताएं और अनुभवः

i) अनिवार्य

- जन स्वास्थ्य/सामुदायिक चिकित्सा/निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा अथवा समकक्ष में स्नातकोत्तर उपाधि या उच्चतर योग्यता सहित एमबीबीएस/आयुष/नर्सिंग/सामाजिक विज्ञान में स्नातक उपाधि।
- विशेष रूप से मातृ एवं बाल स्वास्थ्य/एनआरएचएम/एनएचपी/आरएमएनसीएच + ए/स्वास्थ्य नियोजन/स्वास्थ्य नीति और पैरवी/जन स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण या स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन जैसे जन स्वास्थ्य के मुख्य क्षेत्रों में योग्यता उपरांत कार्य करने का न्यूनतम 3 वर्षों का अनुभव।
- जीवंत, गतिशील और पहल एवं अपनत्व की भावना से प्रेरित, और टीम के अंग के रूप में सौंपा गया कोई भी दायित्व स्वीकार करने को तैयार।
- निर्धारित समय सीमा के भीतर, ब्यौरों का पूर्ण ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले लिखित कार्य करने की क्षमता।
- विशेष रूप से गरीब और कमजोर आबादी के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों से संबंधित मुद्दों पर कार्य करने के लिए उत्साहित, और समस्या–समाधान के दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत कार्य करने का उत्सुक।
- टीम के समक्ष नवीन और अभिनव युक्तियां प्रस्तुत करते समय सवाल उठाने की योग्यता; किसी भी परिस्थिति में उपयुक्त हल निकालने की योग्यता सहित उत्सुक और सतर्क होना चाहिए।
- विविध प्रकार के टीम परिवेश में कार्य करने की प्रदर्शित योग्यता
- फील्ड स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन करने/जिला, स्तरीय स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने का प्रदर्शित अनुभव।
- विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल के महत्वपूर्ण क्षेत्रों (क्रिटिकल केयर), जैसे कि उच्च निर्भरता इकाई, ऑपरेशन थिएटर, प्रसव कक्ष, प्रयोगशालाएं, सीएसएसडी इत्यादि जैसी स्वास्थ्य ढांचागत सुविधाओं के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए राज्यों एवं जिलों की यात्रा करने का इच्छुक और सीमित समय अवधि में कार्य संपन्न करने के लिए एक साथ कई कार्य करने की योग्यता।
- एमएस–वर्ड, एक्सेल, पावर पाइंट जैसे आम तौर पर प्रयोग किए जाने वाले पैकेजों और सुसंगत डेटा एवं दस्तावेजों को तलाशने हेतु वेबसर्फिंग की उच्चस्तरीय जानकारी सहित कंप्यूटर में प्रवीणता।
- उत्कृष्ट संप्रेषण तथा प्रस्तुति कौशल, विश्लेषणात्मक एवं अंतर्वैयक्तिक क्षमताएं, अंग्रेजी में उत्कृष्ट मौखिक और लिखित संप्रेषण कौशल। हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान भी वांछनीय है।
- अच्छे अभ्यर्थी को अपवादस्वरूप शैक्षणिक योग्यता और अनुभव में ढील दी जा सकती है।

ii) वांछनीयः

- एमबीबीएस अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।
- राज्य/जिले में कार्य करने का अनुभव।

भूमिकाएं एवं दायित्वः

- जन स्वास्थ्य संस्थाओं के बुनियादी ढाँचे के ले–आउट डिजाइन सहित इसके आईपीएचएस घटक के विकास में सहयोग करना।
- मुख्य निर्णयकर्ताओं को इनपुट प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली और स्वास्थ्य जरूरतों के बारे में जानकारी का सुव्यवस्थित संग्रह, प्रलेखन और प्रस्तुति।
- एचएमआईएस से प्राप्त डेटा का विश्लेषण और केंद्रीय, राज्य और जिला स्तर पर निर्णयकर्ताओं के लिए इसका उपयोग।
- राज्य और जिला स्वास्थ्य योजनाएं बनाने और योजनाओं की समीक्षा एवं उनमें सुधार करने के लिए महामारी विज्ञान और एचएमआईएस दोनों की जानकारी का उपयोग करते हुए पीएचए टीम को जिला और राज्य स्तर पर क्षमता

निर्माण मे सहयोग करना तथा खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों के लिए यथावश्यक बजट और वित्तीय योजना बनाने में सहयोग प्रदान करना।

- जन स्वास्थ्य नियोजन, स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली, आदि जैसे स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने वाले क्षेत्रों में तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- मातृ/बाल मृत्यु या नियर मिस समीक्षा, शिकायत निवारण की प्रगति का आकलन करने के लिए और प्रभाग के प्रकाशनों के लिए आधारभूत सामग्री एकत्र और तैयार करने के लिए फील्ड दौरे करना।
- विशिष्ट तकनीकी क्षेत्रों पर राज्यों को उन्मुख करने के लिए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय कार्यशालाओं और परामर्श के आयोजन में प्रभाग का सहयोग करना।
- आवंटित कार्य क्षेत्र से संबंधित सभी संबंधित दस्तावेजों/पत्राचार का डेटाबेस बनाना।
- पीएचए प्रभाग द्वारा समय–समय पर सौंपे गए अन्य कार्य करना।

आयु सीमा: अधिकतम 40 वर्ष (आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को)

कार्य स्थल: मुख्यालय नई दिल्ली स्थित है, किंतु आवश्यकतानुसार विभिन्न राज्यों एवं जिलों की यात्रा करनी होगी।

परामर्शी शुल्कसीमा: 60,000/– रु. से 1,20,000/– रु. के बीच
**योग्यता एवं अनुभव के आधार पर उपर्युक्त सीमा में शुल्क का निर्धारण किया जाएगा।*

- इस साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थियों को एनएचएसआरसी में समान दक्षता वाले और उपयुक्त स्तर के अन्य रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विचार किया जा सकता है।

आवेदन करने के लिए: अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे एनएचएसआरसी की वेबसाइट पर अपलोड की गई भर्ती हेतु सूचना के साथ संलग्न आवेदन पत्र को डाउनलोड कर विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र को **01 अक्टूबर, 2020 तक** recruitment.pha.nhsrc@gmail.com पर ई–मेल कर दें। किसी अन्य प्रारूप में या प्रभावित करने की भावना से किसी अन्य माध्यम से प्रस्तुत किए गए आवेदन को अस्वीकार किया जा सकता है। कृपया सुनिश्चित करें कि आवेदन पत्र पर आवेदन किए गए पद का उल्लेख किया गया है, अन्यथा आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।